क्लिनिकल आउटरीच टीम (COT)

सामाजिक एवं आर्थिक रूप से कमज़ोर लोगों तक सेवाएं पहुंचाना

फाउंडेशन फॉर रिप्रोडक्टिव हेल्थ सर्विसेस इंडिया (एफआरएचएस इंडिया) एमएसआई रिप्रोडक्टिव च्वाइसेस की एक सहयोगी संस्था है। हम क्लिनिकल आउटरीच टीम (COT) के माध्यम से प्रजनन स्वास्थ्य सेवाओं तक महिलाओं की पहुंच बढ़ाने के लिए कार्य करते हैं। COT प्रशिक्षित चिकित्सा कर्मचारियों की टीम है जो सरकारी केंद्रों पर परिवार नियोजन एवं प्रजनन स्वास्थ्य संबंधी जानकारी, सलाह और सेवाएं प्रदान करती है।

हमने 2011 में राजस्थान के अलवर जिले से COT की शुरुआत की थी और अब बिहार, उत्तर प्रदेश सहित राजस्थान के 76 जिलों में सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। वर्तमान में, हम 35 COT के माध्यम से 20.57 करोड़ (205.7 मिलियन) लोगों की सेवा में लगे हैं।

वर्ष 2020 में, हमारे COT ने उच्च गुणवत्ता वाली परिवार नियोजन संबंधी सेवाएं प्रदान करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। यहां तक की, महामारी के समय, वे क्लाइंट को निकटतम क्लिनिक तक भी पहुंचाते चाहे इसके लिए उन्हें किलोमीटर तक की दूरियां ही क्यों न तय करनी पड़े। साथ ही, सेवाएं प्रदान करने के बाद भी क्लाइंट के साथ संपर्क में रहते। कोविड के समय में उनकी दृढता और क्लाइंट–केंद्रीयता की वजह से ही हम ज़रूरतमंदों को आवश्यक परिवार नियोजन सेवाएं प्रदान करने में सफल रहे।

एफआरएचएस इंडिया की कोविड प्रतिक्रिया

ग्रामीण भारत के कई हिस्सों में परिवार नियोजन की अनमेट नीड बहुत अधिक है एवं महामारी ने इस स्थिति को और भी बदतर बना दिया। लॉकडाउन के बाद 25 मार्च, 2020 से ही, कई सार्वजनिक स्वास्थ्य केंद्रों ने अपनी क्लिनिकल परिवार नियोजन सेवाएं बंद कर दी। सारे सार्वजनिक परिवहनों पर भी पाबंदी लग गई जिसकी वजह से हमारे COT के सदस्यों के लिए दूर–दराज़ क्षेत्रों में जाकर सेवाएं वितरित करना अत्यंत कठिन हो गया। हमारी वकालत से जुड़े प्रयासों के बाद, फिक्स्ड डे सर्विस (एफडीएस) के लिए शुरूआत में मध्य मई से 10 क्लाइंट / एफडीएस की अनुमति सरकार द्वारा दी गई जो नवंबर में बढ़ाकर 30 क्लाइंट / एफडीएस कर दी गई। 2020 में, COT के द्वारा शेष बची हुई सेवाएं आखिरी तिमाही में प्रदान की गई।

COT कैसे काम करते हैं?

COT को राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) योजना के तहत जिला स्वास्थ्य अधिकारियों द्वारा स्वीकृति दी जाती है। जिला मुख्यालयों में स्थित, COT जिला स्वास्थ्य अधिकारियों के परामर्श से चुने गए सरकारी केंद्रों पर जाते हैं और निर्धारित दिनों पर उच्च गुणवत्ता वाली परिवार नियोजन सेवाएं प्रदान करते हैं। फिक्स्ड डे सर्विस (एफडीएस) पर निर्णय लेने के बाद इसकी सूचना केंद्र के कर्मचारी और सामुदायिक स्वास्थ्य कर्मचारियों जैसे आशा और एएनएम को दी जाती है, फिर ये कर्मचारी ही इस सूचना को समुदायों में प्रसारित करते हैं और लोगों को सेवाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित करते हैं।

क्लिनिकल आउटरीच टीम के माध्यम से सर्विस डिलीवरी के नौ चरण

1 पंजीकरण
- इस काउंटर पर क्लाइंट का स्वागत होता है
- यहाँ ग्राहक का केस कार्ड बनता है

2 काउंसलिंग
- प्रशिक्षित काउंसलर द्वारा भिन्न–भिन्न परिवार नियोजन के विकल्पों पर जानकारी साझा की जाती है
- काउंसलर क्लाइंट की सुविधा और निजता सुनिश्चित करती है

3 लैब टेस्ट
- पहले से मौजूद सरकारी लैब या एफआरएचएस इंडिया द्वारा स्थापित लैब मे जाँच होती है

4 पेल्विक (पीवी) जाँच
- क्लाइंट की निजता सुनिश्चित की जाती है
- योग्यता निर्धारित करने हेतु क्लाइंट की स्क्रीनिंग की जाती है

5 पूर्व-प्रक्रिया जाँच
- क्लाइंट के स्वास्थ्य की स्क्रीनिंग की जाती है

6 पूर्व-प्रक्रिया दवा
- क्लाइंट को प्रक्रिया से पहले दवा दी जाती है
- क्लाइंट को प्रक्रिया के लिए तैयार किया जाता है

7 प्रक्रिया
- प्रशिक्षित सर्जन द्वारा किया जाता है
- इन्फेक्शन प्रिवेंशन के सारे नियमों को बनाए रखा जाता है

8 ऑपरेशन के बाद की देखभाल
- महत्वपूर्ण पैरामीटर की निगरानी की जाती है
- चार घंटों तक पूर्ण निगरानी की जाती है

9 डिस्चार्ज/छुट्टी
- क्लाइंट के परिचारकों को सलाह दी जाती है
- देखभाल संबंधी निर्देश दिए जाते हैं
- सेवा प्रदान करने के 24–36 घंटों के भीतर टेलीफोन पर क्लाइंट के स्वास्थ्य की जानकारी ली जाती है

टीम की संरचना

आठ–सदस्यों वाले COT में होते हैं:

सर्जन चिकित्सा अधिकारी दो नर्स काउंसलर ऑपरेशन थिएटर सहायक ड्राइवर/चालक एफडीएस कोऑर्डिनेटर

COT द्वारा दी जाने वाली सेवाएं

COT परिवार नियोजन एवं प्रजनन स्वास्थ्य सेवा संबंधी कई विकल्प देता है, जिसमें शामिल है:

- परिवार नियोजन परामर्श, प्रसव पश्चात
- परिवार नियोजन काउंसलिंग
- महिला नसबंदी–लैप्रोस्कोपिक या मिनी लैप
- कॉपर टी (5 वर्ष एवं 10 वर्ष)
- पुरुष नसबंदी (नॉन–स्काल्पल वसेक्टॉमी)
- आपातकालीन गर्भनिरोधक
- गर्भनिरोधक गोलियां
- कंडोम
- प्रसव प्रक्रिया के बाद का फॉलो–अप

हमारी पहुंच

35 टीमें सेवा प्रदान कर रही हैं

76 जिले कवर किए जा रहे हैं

1,261 इलाके कवर किए जा रहे हैं

क्लाइंट को उपलब्ध कराई गई सेवाएं

जनवरी–दिसंबर 2020 के बीच हमने:

- **121,454** महिलाओं को नसबंदी सेवा प्रदान की
- **1,596,445** कपल इयर्स ऑफ प्रोटेक्शन
- **1,850** महिलाओं को कॉपर टी सेवा प्रदान की

सेवाओं की गुणवत्ता

क्लाइंट की सुविधा, सुरक्षा और संतुष्टि

क्लिनिकल गवर्नेंस | तकनीकी क्षमता

व्यावसायिक मानकों का पालन

01 भारत सरकार और एमएसआई रिप्रोडक्टिव च्वाइसेस क्लिनिकल मानकों के अनुसार सक्षम प्रदाताओं द्वारा सेवाएं प्रदान की जाती है।

02 एमएसआई रिप्रोडक्टिव च्वाइसेस द्वारा वार्षिक गुणवत्ता तकनीकी मूल्यांकन किया जाता है।

03 इन्फेक्शन प्रिवेंशन, मेडिकल इमरजेन्सी मैनेज़मेंट और परामर्श जैसे प्रमुख क्षेत्रों में नियमित रूप से रिफ्रेशर ट्रेनिंग और सहायक पर्यवेक्षण दिया जाता है।

04 टेलीफोन के माध्यम से सेवा प्रदान करने के 24–36 घंटों के भीतर क्लाइंट के हाल की समीक्षा की जाती है और उनकी संतुष्टि का स्तर पता करने के लिए वार्षिक क्लाइंट एग्ज़िट सर्वे कराए जाते है।

05 टीम के सभी सदस्यों का वार्षिक योग्यता आंकलन होता है।

06 राष्ट्रीय और राजकीय चिकित्सा सलाहकार टीमें, गुणवत्ता मानकों की समीक्षा करती हैं, ट्रेनिंग आयोजित करती हैं और जटिलता प्रबंधन पर नज़र रखती है।

अधिक जानकारी के लिए, संपर्क करें: info@frhsi.org.in

मुख्यालय: बी–37, गुलमोहर पार्क, नई दिल्ली – 110049 | फोन: +91 11 49840000 | वेबसाइट: www.frhsi.org.in

हमें फॉलो करें: @FoundationforReproHealthServicesIndia | Foundation for Reproductive Health Services India